समय की मांग... निर्भरता को कम करते चलें

हमें क्या लगता है, हम किन-किन चीज़ों के गुलाम हैं? कभी-कभी हम अपने आप को सिचुएशन पर डिपेंड पाते हैं, कभी लोगों के बिहेवियर पर, कभी-कभी तो टेक्नोलॉजी

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

गैज़ेट, जो चीज़ें हम सारा दिन यूज़ करते हैं, उनके लिए भी हम कहते हैं कि इसके बिना मेरा नहीं चलता, इसके बिना तो मेरा काम ही नहीं हो सकता। कभी-कभी जब वह चीज़ ठीक नहीं चलती, एक चीज़ नहीं मिलती तो हम परेशान, हताश हो जाते हैं, तो उन साधनों के भी हम गुलाम बन जाते हैं। कभी-कभी हम खाने-पीने की चीज़ों के गुलाम बन जाते हैं। पता है कि ये नहीं खाना चाहिए, फिर भी कहते हैं क्या करें, इसके बिना मेरा नहीं चलता। यह ना हो तो मन परेशान हो जाता है, इनके बिना मेरा नहीं चलता, यह शब्द, यह बिलीफ सिस्टम हमारी इस गुलामी को, इस इमोशनल डिपेंडेंसी को, इस इमोशनल बॉन्डेज को बार-बार और पक्का करता जाता है, पक्का करता जाता है और जितना हम इसको पक्का करते जाते हैं हमारी गुलामी और बढ़ती जाती है।

छोटी-छोटी बातों पर हम रिएक्ट कर देते हैं, कोई हमारी तरफ एक नज़र ठीक से ना देखे तो हम रूठ जाते हैं अर्थात् डिपेंडेंसी और बढ़ती जा रही है। आज हमें इन डिपेंडेंसीज़ को खत्म करना है।

हम सबको फ्रीडम अच्छी लगती है ना! लोगों को तो हम कह देते हैं मुझे फ्रीडम चाहिए, आप मुझे मत बोलो क्या करना है क्या नहीं करना है। आज हमें अपने मन को कहना है कि मुझे फ्रीडम चाहिए कि यह मेरा निजी संस्कार है, यह मेरा स्वभाव है, आई विल चूज़, आई विल चूज़। आज दिन तक हम चूज़ तो करते हैं जीवन के बड़े-बड़े डिसिज़न्स, कौन से कॉलेज में जाना है, कौन-सा कोर्स करना है, कौन हमारे फ्रेंड्स हैं, कहाँ काम करना है। यह हमारे जीवन के बड़े-बड़े डिसीज़न्स होते हैं और यह हमें चूज़ करने अच्छे लगते हैं। लेकिन कुछ डिसीज़न होते हैं जो सारा दिन हो रहे हैं। छोटे-छोटे डिसीज़न। कौन से डिसीज़न? कोई बात आई, सामने से कोई सिचुएशन आई, किसी व्यक्ति ने कुछ कहा, किसी तरह काम किया, ये सामने से आती हुई सारे दिन के अंदर छोटी-छोटी सिचुएशन्स हैं। लेकिन हर सिचुएशन में हम रिस्पॉन्ड करते हैं।

कोई भी बात आती है, हमारी एक थॉट चलती है। फिर कई सिचुएशन में हमारे बोल निकलते हैं, कुछ सिचुएशन्स में हमें बिहेव भी करना है। तो तीन एनर्जी है थॉट्स, वर्ड्स एंड बिहेवियर। ये हमारा रिस्पॉन्स है जो एवरी सिचुएशन है। लेकिन यह रिस्पॉन्स क्या हम चूज़ कर रहे हैं! क्या हम डिसाइड कर रहे हैं या हम सिर्फ जैसी सिचुएशन जैसा व्यक्ति वैसा हम रिएक्ट कर देते हैं और फिर कहते भी हैं कि मेरी गलती नहीं थी, बात ही ऐसी थी, उन्होंने बात ही ऐसी की। इसका मतलब हम अपने निर्णय की ज़िम्मेदारी भी नहीं लेते हैं, क्योंकि हमें लगता ही नहीं कि यह मैंने डिसाइड किया था, हमें लगता ही नहीं कि यह मैंने चूज़ किया था। हमें लगता है कि यह अपने आप हो जाता है। इसका मतलब हम कौन-सी स्टेज पर आकर पहुंचे कि हमें यह अवेयरनेस ही नहीं है कि यह एक डिपेंडेंसी है, हमें अवेयरनेस ही नहीं है कि हम किसी के बिहेवियर, किसी के एक शब्द के गुलाम बन चुके हैं। हमारा मन स्वतंत्र नहीं है कि इसको क्या सोचना है, मुझे क्या बोलना है। इतनी डिपेंडेंसी आ गई कि हमें अवेयरनेस ही नहीं है कि हम डिपेंडेंट हैं।

लोगों को तो हम कह देते हैं मुझे फ्रीडम चाहिए, आप मुझे मत बोलो क्या करना है क्या नहीं करना है। आज हमें अपने मन को कहना है कि मुझे फ्रीडम चाहिए कि यह मेरा निजी संस्कार है, यह मेरा स्वभाव है, आई विल चूज़, आई विल चूज़।

तो इस डिपेंडेंसी को, इस गुलामी को आज खत्म करना है ताकि सारे दिन के छोटे-डिसीज़न कि हर सीन में कैसे रिसपॉन्ड करना है, हरेक के व्यवहार के सामने कैसे रिसपॉन्ड करना है, कोई काम ठीक करे ना करे, मुझे कैसे रिस्पॉन्ड करना है। मेरा रिस्पॉन्स, मेरी थॉट, मेरा वर्ड, मेरा बिहेवियर मेरे अनुसार होना चाहिए, सही होना चाहिए, एक्यूरेट होना चाहिए।

अम्बिकापुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा कलाकेंद्र मैदान में महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य पर आयोजित 'शिव अवतरण आध्यात्मिक मेला' का उद्घाटन माननीय मंत्री अमरजीत भगत,खाद्य योजना,आर्थिक-सांख्यिकी,संस्कृति विभाग द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस मौके पर डॉ. अजय कुमार तिर्की,महापौर, आलोक दुबे,नगर निगम पार्षद, प्रबोध मिंज,पूर्व महापौर एवं प्रतिपक्ष नेता, स्वामी तन्मयानन्द जी,विवेकानन्द स्कूल के डायरेक्टर, श्रीमति रीनू जैन, राहुल जैन,के.आर.टेक्निकल कॉलेज के डायरेक्टर, अजय तिवारी,आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक, मंगल पाण्डे,सामाजिक कार्यकर्ता, अनिल मिश्रा,सामाजिक कार्यकर्ता, सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.विद्या दीदी, ब्र.कु. प्रतिमा बहन तथा अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

इंदौर-गंगोत्री(म.प्र.)। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर केक कटिंग करते हुए मुकेश खटवा, मुकेश शर्मा, दिनेश गर्ग, संतोष बंसल,उद्योगपति, ओम अग्रवाल, नरेन्द्र वर्मा, ज्योति तोमर, ब्र.कु. सीमा बहन, ब्र.कु. ललिता बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

नवी मुम्बई-सानपाड़ा। महाशिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. अंजली पाटील,मनोचिकित्सक, कॉर्पोरेटर सोमनाथ वासकर, अनिल शेठ,बिज़नेसमैन, संजय माळी,डायरेक्टर,किशन कंस्ट्रक्शन, हरीश इंगावले,युवा नेता, ब्र.कु. शीला दीदी, ब्र.कु. शुभांगी दीदी तथा अन्य।

सारंगपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सीनियर छात्रावास में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन, छात्रावास की अध्यक्षा शशि वर्मा, द्रौपदी वर्मा, राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा, ब्र.कु. प्रीति बहन, छात्रावास की कन्याएं तथा अन्य।

रतलाम-राजीव गांधी सिविक सेंटर(म.प्र.)। नगर निगम महापौर प्रहलाद पटेल से मुलाकात कर आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् उन्हें ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. मनोरमा बहन, ब्र.कु. आरती बहन, राजेश मोडिया तथा संजय पालीवाल।

खजुराहो-म.प्र.। सांसद बी.डी. शर्मा एवं कलेक्टर संदीप जी आर के आवाहन पर 40 दिनों से खजुराहो में चल रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रेम सागर तालाब की सफाई एवं वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान ब्र.कु. नीरजा बहन, मंगेश्वर सेवा समिति के पंडित सुधीर शर्मा, होटल एसोसिएशन के संरक्षक अविनाश तिवारी, खजुराहो क्लीन एंड ग्रीन आर्मी संयोजक पत्रकार देवेंद्र चतुर्वेदी, विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री अनुपम गुप्ता, क्लीन एंड ग्रीन आर्मी के परशुराम तिवारी, जुगल रिछारिया, राम कुमार चौबे, पत्रकार विनोद भारती, पत्रकार अरबाज़ खान आदि मौजूद रहे।

आमगांव बड़ा-नरसिंहपुर(म.प्र.)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में नगर के सभी मंदिरों के पुजारी और ट्रस्टियों के सम्मान में आयोजित समारोह में मोहन सकवार,सरपंच, सुरजीत सिसोदिया,जनपद सदस्य, प्रभात सिसोदिया,पत्रकार,पूर्व सरपंच, संजय कुमार गुप्ता,उपसरपंच, आशीष पसारी,पत्रकार, अंकुर महाजन,पत्रकार सहित मंदिरों के पुजारी रानुज ज्योतिषी, महेंद्र ज्योतिषी, संजय पुरोहित, अभिषेक तिवारी, राम सजीवन पुरोहित, गुलाब बाई शुक्ला, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु.वर्षा बहन, ब्र.कु. रजनीश भाई, ब्र.कु.जगदीश भाई, ब्र.कु. श्रीकांत भाई तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर शिव ध्वजारोहण करते हुए डॉ.राजेंद्र गदिया, ब्र.कु.पुष्पा बहन, ब्र.कु. प्रिया बहन, ब्र.कु.पूजा बहन, ब्र.कु.नारायण भाई तथा अन्य।

मरोली-नवसारी(गुज.)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सुरेंद्र सिंह,सीआईएसएफ पीआई, योगिना पटेल,ग्राम सरपंच, दिलीप रायका,सहकारी मंडली प्रमुख, राहुल पटेल,पूर्व तालुका पंचायत अध्यक्ष, ब्र.कु. मुकेश बहन, ब्र.कु.गीता बहन तथा अन्य।